



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	3-3-26	2	28

# हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को बी-हाइव स्ट्रिप हैंगर कम स्पेसर के लिए मिला पेटेंट

जामरूप संवाददाता • हिंसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने मधुमक्खी पालन के बेहतर प्रबंधन में सहायक उपकरण बी हाइव स्ट्रिप हैंगर कम स्पेसर तैयार किया है। इस उपकरण को भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले पेटेंट, डिजाइन एवं ट्रेडमार्क महानिबंधक कार्यालय ने पेटेंट दिया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए हकूवि के पूर्व विज्ञानी प्रो. ओपी चौधरी को शुभकामनाएं दी हैं।



कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ हकूवि के विज्ञानी • पी.आर.ओ

उपयोग से मधुमक्खियों के सबसे घातक दुश्मन वरोआ माइट की प्रभावी रोकथाम के साथ-साथ भारतीय शहद में घातक रसायनों के अवशेषों से निजात पाने में सहायता मिलेगी। यह मधुमक्खियों की कार्य क्षमता में वृद्धि होने के साथ-साथ

शहद उत्पादन एवं परागण क्षमता में भी सुधार होगा। उन्होंने बताया कि यह उपकरण मधुमक्खी छतों में स्ट्रिप्स के सही प्रयोग व इन्हें मोम के छतों से सही दूरी पर रखने में सहायक है। जिससे मधुमक्खियों के प्राकृतिक व्यवहार में बाधा नहीं आती।

• इसके उपयोग से मधुमक्खियों के घातक दुश्मन वरोआ माइट की रोकथाम में मिलेगी सहायता

• मधुमक्खियों की कार्य क्षमता में वृद्धि के अतिरिक्त शहद उत्पादन एवं परागण क्षमता में होगा सुधार

## मधुमक्खी छता स्ट्रिप हैंगर कम स्पेसर की खासियत

प्रो. ओपी चौधरी जी कि हकूवि के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, करनाल के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक तथा केंद्रीय मधुमक्खी अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान पूना के पूर्व निदेशक रहें हैं। उन्होंने इस उपकरण की खासियत पर बताया कि यह फूड ग्रेड प्लास्टिक से बना है। जिसे तीन मिलीमीटर गोलकार ठोस ट्यूब में ढाला गया है। इसमें टाप बार को मजबूती से पकड़ने के लिए दो मुड़े हुए साइड स्पॉट होते हैं। दो टाप स्पॉट मधुमक्खी फ्रेम के टाप बार पर टिके होते हैं और बीच में

15 मिलीमीटर चौड़ाई और गहराई वाला वी-बेड वरोआ माइट की रोकथाम में प्रयुक्त होने वाली रासायनिक स्ट्रिप (पट्टी) को दो फ्रेमों के बीच लटकाने के लिए सही हैंगिंग प्लेटफार्म प्रदान करता है। मेंडिकेटेड स्ट्रिप को वी बेड में डालने के बाद, बी हाइव स्ट्रिप हैंगर-कम-स्पेसर को दो फ्रेमों के टाप बार पर रखा जाता है। इस प्रकार दो फ्रेम के बीच 15 मिलीमीटर की समान दूरी बनी रहती है। यह विशिष्ट दूरी मेंडिकेटेड स्ट्रिप को मोम के छतों

के संपर्क में आए बिना दो फ्रेमों के बीच बिल्कुल सही प्रकार से लटकने देती है। यह बड़ी हुई जगह मधुमक्खियों को मेंडिकेटेड स्ट्रिप तक स्वतंत्र पहुंच प्रदान करती है। जिससे पूरी मधुमक्खी कालोनी में माइटनी-दवाई का कीटनाशकों पर समान रूप से वितरण संभव हो जाता है। फ्रेम के बीच की पूरी लंबाई में यह स्ट्रिप इसे मधुमक्खी के मोम के संपर्क में नहीं आने देती। इस प्रकार कीटनाशकों को छतों और शहद में फैलने से रोकती है।

## एक कालोनी में मेंडिकेटेड स्ट्रिप लगाने में लगते हैं 15 सेकेंड

उन्होंने बताया कि यह विश्व भर में मधुमक्खियों के सबसे खतरनाक दुश्मन-एवटोपेरासिटिक माइट वरोआ डिस्टक्टर के प्रबंधन के लिए सबसे सस्ता, प्रभावी और सुरक्षित उपकरण है। इस उपकरण से हानिकारक रसायनों से मुक्त शहद, पराग, प्रो पॉलिस आदि जैसी अन्य छत्ते उत्पाद मनुष्यों को मिल सकेगी। एक कालोनी में मेंडिकेटेड स्ट्रिप लगाने में केवल 15 सेकेंड लगते हैं। हर बार मधुमक्खी बक्सा खोलते हुए फ्रेमों को निश्चित दूरी पर रखने की समस्या का भी हल हो जाता है। बी हाइव स्ट्रिप हैंगर कम स्पेसर मजबूती व डिजाइन के कारण यह बहुत लंबे समय तक प्रयोग में लाया जा सकता है। कुलसचिव डा. पवन कुमार, अनुसंधान निदेशक डा. राजवीर गर्ग, मानव ससाधन निदेशक डा. रमेश यादव आदि थे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	3-3-26	4	3-6

# उपलब्धि • हकृवि को 'बी हाइव स्ट्रिप हैंगर कम स्पेसर' के लिए मिला पेटेंट मधुमक्खियों के सबसे घातक दुशमन वरोआ माइट की हो सकेगी रोकथाम

भास्करन्यूज़ | हिंसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने मधुमक्खी पालन के बेहतर प्रबंधन में सहायक उपकरण 'बी हाइव स्ट्रिप हैंगर कम स्पेसर' तैयार किया है।

विकसित किए गए इस उपकरण को भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अन्तर्गत आने वाले पेटेंट, डिजाइन एवं ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय द्वारा पेटेंट प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए हकृवि के पूर्व वैज्ञानिक प्रो. ओपी चौधरी को बधाई दी है।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया उपकरण के उपयोग से मधुमक्खियों के सबसे घातक दुशमन वरोआ माइट की प्रभावी रोकथाम के साथ-साथ भारतीय शहद में घातक रासायनों के अवशेषों से निजात पाने में अभूतपूर्व सहायता मिलेगी।



कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ वैज्ञानिक डॉ. ओपी चौधरी।

## यह है मधुमक्खी छत्ता स्ट्रिप हैंगर कम स्पेसर की खासियत

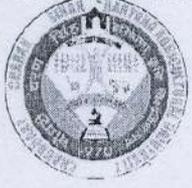
हकृवि के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, करनाल के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक तथा केन्द्रीय मधुमक्खी अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान पूना के पूर्व निदेशक प्रो. ओपी चौधरी ने बताया कि यह फूड ग्रेड प्लास्टिक से बना है। जिसे तीन मिलीमीटर गोलाकार ठोस ट्यूब में ढाला गया है। इसमें टॉप बार को मजबूती से पकड़ने के लिए दो मुड़े हुए साइड स्पॉट होते हैं। दो टॉप स्पॉट मधुमक्खी फ्रेम के टॉप बार पर टिके होते हैं और बीच में 15 मिलीमीटर चौड़ाई और

गहराई वाला वी-बेंड वरोआ माइट की रोकथाम में प्रयुक्त होने वाली रासायनिक स्ट्रिप को दो फ्रेमों के बीच लटकाने हेतु सही हेंगिंग प्लेटफॉर्म प्रदान करता है। मेडिकेटेड स्ट्रिप को वी बेंड में डालने के बाद, बी हाइव स्ट्रिप हैंगर-कम-स्पेसर को दो फ्रेमों के टॉप बार पर रखा जाता है। इस प्रकार दो फ्रेम के बीच 15 मिलीमीटर की समान दूरी बनी रहती है। यह विशिष्ट दूरी मेडिकेटेड स्ट्रिप को मोम के छत्तों के संपर्क में आए बिना दो फ्रेमों के बीच

बिल्कुल सही प्रकार से लटकने देती है। यह बड़ी हुई जगह मधुमक्खियों को मेडिकेटेड स्ट्रिप तक स्वतंत्र पहुंच प्रदान करती है जिससे पूरी मधुमक्खी कॉलोनी में माइटनाशी/दवाई का कीटनाशकों पर समान रूप से वितरण संभव हो जाता है। फ्रेम के बीच की पूरी लंबाई में यह स्ट्रिप इसे मधुमक्खी के मोम के संपर्क में नहीं आने देती। इस प्रकार कीटनाशकों को छत्ते और शहद में फैलने से रोकती है।

## परागण क्षमता भी सुधरेगी

यह मधुमक्खियों की कार्य क्षमता में वृद्धि होने के साथ-साथ शहद उत्पादन एवं परागण क्षमता में भी सुधार होगा। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव व डॉ. योगेश जिंदल उपस्थित रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	3-3-26	3	1-4

रोध

एचएयू को 'बी हाइव स्ट्रिप हैंगर कम स्पेसर' के लिए मिला पेटेंट, मधुमक्खी पालन होगा बेहतर

# दावा-वरोआ माइट की होगी रोकथाम, रसायन मुक्त शहद मिलेगा

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) ने मधुमक्खी पालन के बेहतर प्रबंधन के लिए एक नया उपकरण 'बी हाइव स्ट्रिप हैंगर कम स्पेसर' विकसित किया है। इसे केंद्र सरकार के पेटेंट कार्यालय की ओर से पेटेंट प्रदान किया गया है। यह उपकरण मधुमक्खी पालन में खतरनाक परजीवी वरोआ माइट की रोकथाम और शहद में रसायनों के अवशेषों से मुक्ति दिलाने में सहायक सिद्ध होने का दावा किया जा रहा है।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने



एचएयू हिसार के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ वैज्ञानिक। स्रोत : आयोजक

बताया कि यह उपकरण विश्व भर में मधुमक्खियों के सबसे खतरनाक दुश्मन-एक्टोपारासाइट्स माइट वरोआ डिस्ट्रक्टर के प्रबंधन के लिए सबसे सस्ता, प्रभावी और सुरक्षित उपकरण है।

हानिकारक रासायनों से मुक्त शहद, पराग, प्रो पोलिस आदि जैसी अन्य छोटे उत्पाद मनुष्यों को मिल सकेंगे। एक कॉलोनी में मेंडिकेटेड स्ट्रिप लगाने में केवल 15 सेकंड लगते हैं और हर बार

मधुमक्खी बक्सा खोलते हुए फ्रेमों को निश्चित दूरी पर रखने की समस्या का भी हल हो जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र करनाल के पूर्व निदेशक प्रो. ओपी चौधरी ने यह उपकरण तैयार किया है। चौधरी का कहना है कि उपकरण जो मधुमक्खी पालन में वरोआ माइट की रोकथाम और शहद में रासायनों के अवशेषों से मुक्ति में मदद करता है। यह फूड ग्रेड प्लास्टिक से बना है और इसमें 15 मिलीमीटर की दूरी पर रासायनिक स्ट्रिप लटकाने का प्लेटफार्म है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब क्लेसरी	3-3-26	2	1-2

### हकृषि को 'बी हाइव स्ट्रिप हैंगर कम स्पेसर' के लिए मिला पेटेंट



कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ वैज्ञानिक

हिसार, 2 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने मधुमक्खी पालन के बेहतर प्रबंधन में सहायक उपकरण 'बी हाइव स्ट्रिप हैंगर कम स्पेसर' तैयार किया है। विकसित किए गए इस उपकरण को भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अन्तर्गत आने वाले पेटेंट, डिजाइन एवं ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय द्वारा पेटेंट प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि यह मधुमक्खी पालन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जो मधुमक्खी कॉलोनी के बेहतर प्रबंधन में सहायक है। इसके उपयोग से मधुमक्खियों के सबसे घातक दुश्मन वरोआ माइट की प्रभावी रोकथाम के साथ-साथ भारतीय शहद में घातक रासायनों के अवशेषों से निजात पाने में क्षमता मिलेगी। यह मधुमक्खियों की कार्य क्षमता में वृद्धि होने के साथ-साथ शहद उत्पादन एवं परागण क्षमता में भी सुधार होगा। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव व डॉ. योगेश जिंदल उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	3-3-26	11	2-8

मधुमक्खी कॉलोनी के बेहतर प्रबंधन में सहायक : कुलपति प्रो. कंबोज

# हकृवि को 'बी हाइव स्ट्रिप हैगर कम स्पेसर' पर मिला पेटेंट

हरिभूमि न्यूज हिंसार



हिसार। वैज्ञानिकों के साथ कुलपति प्रो. बीआर कंबोज।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने मधुमक्खी पालन के बेहतर प्रबंधन में सहायक उपकरण 'बी हाइव स्ट्रिप हैगर कम स्पेसर' तैयार किया है। विकसित किए गए इस उपकरण को भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अन्तर्गत आने वाले पेटेंट, डिजाइन एवं ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय द्वारा पेटेंट प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए हकृवि के पूर्व वैज्ञानिक प्रो. ओपी चौधरी को बधाई दी है। इस अवसर पर

कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजवीर गर्ग, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव व डॉ. योगेश जिल्ला उपस्थित

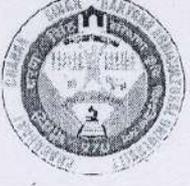
रहे। कुलपति ने बताया कि यह मधुमक्खी पालन में एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जो मधुमक्खी कॉलोनी के बेहतर प्रबंधन में सहायक है।

## मधुमक्खी खाता स्ट्रिप हैगर कम स्पेसर की खासियत

प्रो. ओपी चौधरी जो कि हकृवि के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, करनाल के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक तथा केन्द्रीय मधुमक्खी अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान पूना के पूर्व निदेशक रहे हैं, उन्होंने इस उपकरण की खासियत पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह फूड ग्रेड प्लास्टिक से बना है, जिसे तीन मिलीमीटर गोलाकार टोस ट्यूब में ढाला गया है। इसमें टॉप बार को मजबूती से पकड़ने के लिए दो मुड़े हुए साइड स्पॉट होते हैं। दो टॉप स्पॉट मधुमक्खी फ्रेम के टॉप बार पर टिके होते हैं और बीच में 15 मिलीमीटर चौड़ाई और गहराई वाला वी-बेड वरोआ माइट की रोकथाम में प्रयुक्त होने वाली रासायनिक स्ट्रिप (पट्टी) को दो फ्रेमों के बीच लटकाने के लिए सही हैमिंग प्लेटफार्म प्रदान करता है। मैडिकेटेड स्ट्रिप को वी बेड में डालने के बाद, बी हाइव स्ट्रिप हैगर-कम-स्पेसर को दो फ्रेमों के टॉप बार पर रखा जाता है। इस प्रकार दो फ्रेम के बीच 15 मिलीमीटर की समान दूरी बनी रहती है। यह विशिष्ट दूरी मैडिकेटेड स्ट्रिप को मीन के छतों के संपर्क में आए बिना दो फ्रेमों के बीच बिल्कुल सही प्रकार से लटकने देती है।

## एक्टोपैरासिटिक माइट वरोआ डिस्ट्रक्टर के लिए सस्ता उपकरण

उन्होंने बताया कि यह विश्व भर में मधुमक्खियों के सबसे खतरनाक दुश्मन-एक्टोपैरासिटिक माइट वरोआ डिस्ट्रक्टर के प्रबंधन के लिए सबसे सस्ता उपकरण है। उन्होंने बताया कि इस उपकरण से एग्लिकारक रासायनों से मुक्त शर्हद, पराग, प्रोपोलिस आदि जैसी उत्पाद मिल सकते हैं। एक कॉलोनी में मैडिकेटेड स्ट्रिप लगाने में केवल 15 सेकंड लगते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हेल्पन	3-3-26	11	2

**हकृवि को बी हाइव  
स्ट्रिप हैंगर कम स्पेसर  
के लिए मिला पेटेंट**

हिसार, 2 मार्च (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने मधुमक्खी पालन के बेहतर प्रबंधन में सहायक उपकरण बी हाइव स्ट्रिप हैंगर कम स्पेसर तैयार किया है। विकसित किए गए इस उपकरण को भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले पेटेंट, डिजाइन एवं ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय द्वारा पेटेंट प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए हकृवि के पूर्व वैज्ञानिक प्रो. ओ.पी. चौधरी को बधाई दी है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि यह मधुमक्खी पालन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जो मधुमक्खी कॉलोनी के बेहतर प्रबंधन में सहायक है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	02.03.2026	--	--

### हकृवि को 'बी हाइव स्ट्रिप हैंगर कम स्पेसर' के लिए मिला पेटेंट

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने मधुमक्खी पालन के बेहतर प्रबंधन में सहायक उपकरण 'बी हाइव स्ट्रिप हैंगर कम स्पेसर' तैयार किया है। विकसित किए गए इस उपकरण को भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अन्तर्गत आने वाले पेटेंट, डिजाइन एवं ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय द्वारा पेटेंट प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए हकृवि के पूर्व वैज्ञानिक प्रो. ओ.पी. चौधरी को बधाई दी है।

प्रो. ओपी चौधरी जो कि हकृवि के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, करनाल के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक तथा केन्द्रीय मधुमक्खी अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान पूना के पूर्व निदेशक रहे हैं,



उन्होंने इस उपकरण की खासियत पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह फूड ग्रेड प्लास्टिक से बना है, जिसे तीन मिलीमीटर गोलाकार ठोस ट्यूब में ढाला गया है। इसमें टॉप बार को मजबूती से पकड़ने के लिए दो मुड़े हुए साइड स्पोर्ट होते हैं। दो टॉप स्पोर्ट मधुमक्खी फ्रेम के टॉप बार पर टिके होते हैं और बीच में 15 मिलीमीटर चौड़ाई और गहराई वाला वी-बैंड

वरोआ माइट की रोकथाम में प्रयुक्त होने वाली रासायनिक स्ट्रिप (पट्टी) को दो फ्रेमों के बीच लटकाने हेतु सही हैंगिंग प्लेटफार्म प्रदान करता है। मेडिकेटेड स्ट्रिप को वी बैंड में डालने के बाद, बी हाइव स्ट्रिप हैंगर-कम-स्पेसर को दो फ्रेमों के टॉप बार पर रखा जाता है। यह विशिष्ट दूरी मेडिकेटेड स्ट्रिप को मोम के छत्तों के संपर्क में आए बिना

दो फ्रेमों के बीच बिल्कुल सही प्रकार से लटकने देती है। यह बड़ी हुई जगह मधुमक्खियों को मेडिकेटेड स्ट्रिप तक स्वतंत्र पहुंच प्रदान करती है।

उन्होंने बताया कि 'बी हाइव स्ट्रिप हैंगर कम स्पेसर' मजबूती व डिजाइन के कारण यह बहुत लम्बे समय तक प्रयोग में लाया जा सकता है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण न्यूज	02.03.2026	--	--

# हकृषि को 'बी हाइव स्ट्रिप हैंगर कम स्पेसर' के लिए मिला पेटेंट

» कुलसचिव प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने वैज्ञानिक को टी बयार्ड

टीय दर्शन

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने मधुमक्खी फालन के बेहतर प्रबंधन में सहायक उपकरण 'बी हाइव स्ट्रिप हैंगर कम स्पेसर' लैस किया है। विकसित किए गए इस उपकरण को भारत सरकार के खाणिक एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले पेटेंट, डिजाइन एवं ट्रेडमार्क महानिदेशक कार्यालय द्वारा पेटेंट प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने इस उपकरण के लिए हकृषि के पूर्व वैज्ञानिक प्रो. ओ.पी. चौधरी को बयार्ड दी है। कुलसचिव प्रो. काम्बोज ने बताया कि यह मधुमक्खी फालन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जो मधुमक्खी बर्डीनेरी के बेहतर प्रबंधन में सहायक है। इसके



उपकरण मधुमक्खियों के सबसे फलक दुरमन बरोआ माइट की प्रभावी रोकथाम के साथ-साथ भारतीय शाह में फलक रामायनी के अफलेषों से निजात पाने में अमूल्य सहायता मिलेगी। यह मधुमक्खियों की कार्य क्षमता में वृद्धि होने के साथ-साथ शाह उपकटन एवं पराग समता में भी सुधार होगा। उन्होंने बताया कि यह

उपकरण मधुमक्खी छतों में निद्रम के सही प्रयोग व इनो मोम के छतों से सही दूरी पर रखने में सहायक है, जिससे मधुमक्खियों के प्राकृतिक व्यवहार में बाधा नहीं आती।

**मधुमक्खी छत निद्रम हैंगर कम स्पेसर की खासियत:-** ओ.पी. चौधरी जो कि हकृषि के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, करनाल के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक तथा केन्द्रीय

मधुमक्खी अनुसंधान व प्रौद्योगिक संस्थान पूर के पूर्व निदेशक रहे हैं, उन्होंने इस उपकरण को खासियत पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह फूड ग्रेड प्लास्टिक से बना है, जिसे तीन मिलीमीटर मोटाई पर टोस ट्यूब में ढाला गया है। इसमें टॉप बार को माजकूती से फकड़ने के लिए दो मुंहे हुए साइड स्पॉट होते हैं। दो टॉप स्पॉट मधुमक्खी

फ्रेम के टॉप बार पर टिके होते हैं और बीच में 15 मिलीमीटर चौड़ाई और चारों बाल वी-बेड बरोआ माइट की रोकथाम में प्रयुक्त होने वाली रसायनिक निद्रम (पट्टी) को दो फ्रेमों के बीच लटकाने हेतु सही हॉपिंग प्लेटफॉर्म प्रदान करता है। मैडिकेटेड निद्रम को वी-बेड में डालने के बाद, बी हाइव निद्रम हैंगर-कम-स्पेसर को दो फ्रेमों के टॉप बार पर रखा जाता है। इस प्रकार दो फ्रेम के बीच 15 मिलीमीटर की समान दूरी बनी रहती है। यह विशिष्ट दूरी मैडिकेटेड निद्रम को मोम के छतों के संपर्क में आए बिना दो फ्रेमों के बीच बिल्कुल सही प्रकार से लटकाने देती है। यह बड़ी हुई जगह मधुमक्खियों को मैडिकेटेड निद्रम तक स्वतंत्र पहुंच प्रदान करती है जिससे पूरी मधुमक्खी कॉलोनी में माइटनाशी/दवाई का बीटनरालो पर समान रूप से वितरण संभव हो जाता है। फ्रेम के बीच की पूरी लंबाई में यह निद्रम इसे मधुमक्खी के मोम के संपर्क में नहीं आने

देती। इस प्रकार बीटनरालो को छतों और शाह में फैलने से रोकती है। उन्होंने बताया कि यह विश्व भर में मधुमक्खियों के सबसे खतरनाक दुरमन-एक्टोपैरासिटिक माइट बरोआ डिस्ट्रक्टर के प्रबंधन के लिए सबसे सरल, प्रभावी और सुरक्षित उपकरण है। उन्होंने बताया कि इस उपकरण से हानिकारक रसायनों से मुक्त शाह, पराग, प्रो पौलिस आदि जैसी अन्य छतें उत्पाद मनुष्यों को मिल सकेंगे। एक कॉलोनी में मैडिकेटेड निद्रम लगाने में केवल 15 सेकंड लगते हैं और हर बार मधुमक्खी बसाया खोलते हुए फ्रेमों की निरिपल दूरी पर रखने की समस्या का भी हल हो जाता है। 'बी हाइव निद्रम हैंगर कम स्पेसर' मजकूती व डिजाइन के कारण यह बहुत लम्बे समय तक प्रयोग में लया जा सकता है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजेश्वर गर्ग, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव व डॉ. योगेश मिश्र उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पञ्जाब एक्सप्रेस	3-3-26	2	4

**किसान हितैषी बजट, लाभान्वित होंगे कृषि से जुड़े आयाम: कुलपति प्रो. काम्बोज**

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने हरियाणा सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को किसान हितैषी बताते हुए कहा कि यह बजट प्रदेश के किसानों की आय बढ़ाने व उत्पाद बेचने, कृषि लागत कम करने तथा आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बजट में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सहयोग से 2 हजार एकड़ के एक क्लस्टर में आधुनिकतम तकनीकों द्वारा स्मार्ट एग्रीकल्चर नाम से एक नई योजना



कृषि कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज



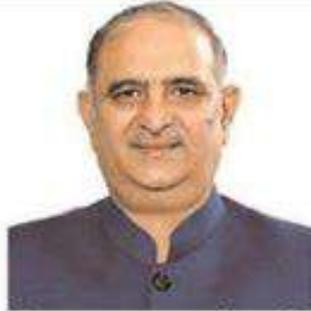
## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स न्यूज	02.03.2026	--	--

### किसान हितैषी बजट, लाभान्वित होंगे कृषि से जुड़े आयाम : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

### हकृवि के सहयोग से 2 हजार एकड़ में स्मार्ट एग्रीकल्चर योजना द्वारा प्राकृतिक खेती शुरू करने का प्रस्ताव

चिराग टाइम्स न्यूज  
हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने हरियाणा सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को किसान हितैषी बताते हुए कहा कि यह बजट प्रदेश के किसानों की आय बढ़ाने व उत्पाद बेचने, कृषि लागत कम करने तथा आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बजट में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सहयोग से 2 हजार एकड़ के एक क्लस्टर में आधुनिकतम तकनीकों द्वारा स्मार्ट एग्रीकल्चर नाम से एक नई योजना द्वारा प्राकृतिक खेती शुरू करने का प्रस्ताव है। इसमें यदि किसानों को किसी प्रकार का भी नुकसान होगा तो उसकी हर पाई की भरपाई



हरियाणा सरकार द्वारा की जाएगी। लवणीय भूमि को पुनर्जीवित किए जाने के लिए 1 लाख 40 हजार एकड़ भूमि को खेती लायक किया जाना। मेरा पानी मेरी विरासत योजना के अंतर्गत 10 हजार प्रति एकड़ अतिरिक्त बोनस दिया जाएगा। प्राकृतिक व जैविक किसानों को कृषि उपज बेचने के लिए मंडियों में जगह उपलब्ध करवाई जाएगी। गन्ना प्रौद्योगिकी

मिशन के अंतर्गत किसानों को 3 हजार प्रति एकड़ की प्रोत्साहन राशि को बढ़ाकर 5 हजार प्रति एकड़ किया जाएगा। टिशू कल्चर के माध्यम से तैयार हुई पौध को किसानों को अब मुफ्त में उपलब्ध करवाया जाएगा।

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अंतर्गत जिला हिसार एवं फरीदाबाद में कुल 100 करोड़ रूपए की लागत से दो नवीन एवं आधुनिक मछली मंडियों की स्थापना की जाएगी। किन्नु उत्पादक किसानों के लिए सिरसा में एक जूस प्रसंस्करण संयंत्र का प्रावधान 25 करोड़ की लागत से पीपीपी मोड में 10,000 मीट्रिक टन किन्नु और 12,000 मीट्रिक टन अन्य फलों के जूस का प्लांट उत्पादन शुरू कर देगा। खाद्य पदार्थों की उतम गुणवत्ता सुनिश्चित करने

के लिए 8 नई व्यापक एकीकृत खाद्य प्रयोगशालाएं हिसार, नारनौल, सिरसा, जींद, यमुनानगर, रोहतक, फरीदाबाद व गुरुग्राम में स्थापित की जाएगी। पर ड्रॉप-मॉर क्रॉप प्रोग्राम के अंतर्गत ड्रिप एवं स्प्रींकलर सिंचाई प्रणालियों को प्रोत्साहन देने के लिए 1.25 लाख एकड़ अतिरिक्त क्षेत्र को शामिल किया जाएगा।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह बजट प्रदेश में कृषि क्षेत्र को नई दिशा देगा तथा किसानों की समृद्धि सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि हकृवि अपने अनुसंधान एवं विस्तार कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार की नीतियों को धरातल पर उतारने में सक्रिय सहयोग देता रहेगा।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण न्यूज	02.03.2026	--	--

## किसान हितैषी बजट, लाभान्वित होंगे कृषि से जुड़े आयाम: कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

» हकूवि के सहयोग से 2 हजार एकड़ में स्मार्ट एग्रीकल्चर योजना द्वारा प्राकृतिक खेती शुरू करने का प्रस्ताव

दक्ष दर्पण



हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने हरियाणा सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को किसान हितैषी बताते हुए कहा कि यह बजट प्रदेश के किसानों की आय बढ़ाने व उत्पाद बेचने, कृषि लागत कम करने तथा आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बजट में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सहयोग से 2 हजार एकड़ के एक क्लस्टर में आधुनिकतम तकनीकों द्वारा स्मार्ट एग्रीकल्चर नाम से एक नई योजना द्वारा प्राकृतिक खेती शुरू करने का प्रस्ताव है। इसमें यदि किसानों को किसी प्रकार का भी नुकसान होगा तो उसकी हर पाई की भरपाई हरियाणा

सरकार द्वारा की जाएगी। लवणीय भूमि को पुनर्जीवित किए जाने के लिए 1 लाख 40 हजार एकड़ भूमि को खेती लायक किया जाना। मेरा पानी मेरी विरासत योजना के अंतर्गत 10 हजार प्रति एकड़ अतिरिक्त बोनस दिया जाएगा। प्राकृतिक व जैविक किसानों को कृषि उपज बेचने के लिए मंडियों में जगह उपलब्ध करवाई जाएगी। गन्ना प्रौद्योगिकी मिशन के अंतर्गत किसानों को 3 हजार प्रति एकड़ की प्रोत्साहन राशि को बढ़ाकर 5 हजार प्रति एकड़ किया जाएगा। टिश्यू कल्चर के माध्यम से तैयार हुई पौध को किसानों को अब मुफ्त में उपलब्ध करवाया जाएगा। प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अंतर्गत जिला हिसार एवं फरीदाबाद में कुल 100 करोड़ रूपए की लागत से

दो नवीन एवं आधुनिक मछली मंडियों की स्थापना की जाएगी। किन्नू उत्पादक किसानों के लिए सिरसा में एक जूस प्रसंस्करण संयंत्र का प्रावधान 25 करोड़ की लागत से पीपीपी मोड में 10,000 मीट्रिक टन किन्नू और 12,000 मीट्रिक टन अन्य फलों के जूस का प्लांट उत्पादन शुरू कर देगा। खाद्य पदार्थों की उत्तम गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए 8 नई व्यापक एकीकृत खाद्य प्रयोगशालाएं हिसार, नारनौल, सिरसा, जींद, यमुनानगर, रोहतक, फरीदाबाद व गुरुग्राम में स्थापित की जाएगी। पर ड्रॉप-मॉर क्रॉप प्रोग्राम के अंतर्गत ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणालियों को प्रोत्साहन देने के लिए 1.25 लाख एकड़ अतिरिक्त क्षेत्र को शामिल किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह बजट प्रदेश में कृषि क्षेत्र को नई दिशा देगा तथा किसानों की समृद्धि सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि हकूवि अपने अनुसंधान एवं विस्तार कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार की नीतियों को धरातल पर उतारने में सक्रिय सहयोग देता रहेगा।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	02.03.2026	--	--

## किसान जल संरक्षण को ध्यान में रखकर खेती करें : श्याम सिंह राणा

हकृषि में 'प्रति बूंद अधिक फसल' पर दो दिवसीय कृषि विकास मेला हुआ संपन्न



-पाठकपक्ष न्यूज-

**हिसार, 2 मार्च :** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 'प्रति बूंद अधिक फसल' के संदेश के साथ अनाज मंडी, लाडवा (कुरुक्षेत्र) में आयोजित दो दिवसीय कृषि विकास मेले का समापन हुआ। मेले का उद्घाटन हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सेनी ने किया था। समापन समारोह में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा मुख्य अतिथि रहे, जबकि अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने की।

**जल संरक्षण समय की आवश्यकता**

मुख्य अतिथि श्याम सिंह राणा ने कहा कि जल संरक्षण आज की सबसे बड़ी जरूरत है और किसानों को 'प्रति बूंद अधिक फसल' के मंत्र को व्यवहार में अपनाना होगा। उन्होंने सूक्ष्म सिंचाई, फसल विविधीकरण, पशुपालन और मत्स्य पालन को आय बढ़ाने के प्रभावी माध्यम बताया। साथ ही दलहनी फसलों के उत्पादन को बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं को कृषि की ओर आकर्षित करने पर बल देते हुए कहा कि आधुनिक तकनीकों को अपनाकर खेती को लाभकारी बनाया जा सकता है। सरकार किसानों की आय बढ़ाने और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

**वैज्ञानिक तकनीकों को खेत तक पहुंचाने पर जोर**

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ती लागत जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए उन्नत किस्में, जैव उर्वरक, सूक्ष्म सिंचाई और प्रिसिजन फार्मिंग जैसी तकनीकों को अपनाना जरूरी है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय आगे भी विभिन्न स्थानों पर कृषि मेले आयोजित करेगा।

**किसानों व प्रदर्शकों को सम्मान**

मेले में प्रगतिशील किसानों को शॉल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी में बीज, ट्रैक्टर, मशीनरी, उर्वरक, वेट फार्मा और सरकारी विभागों सहित विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉलों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

इस अवसर पर प्रदेश भर से आए प्रगतिशील किसानों को शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया तथा औद्योगिक एवं कृषि प्रदर्शनी के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम के अंत में अनुसंधान निदेशक डॉ. राजवीर गर्ग ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। बड़ी संख्या में किसान, वैज्ञानिक, कृषि विशेषज्ञ, अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में आयोजित यह समापन समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	3-3-26	03	05

**किसान हितैषी बजट : काम्बोज**

जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने हरियाणा सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को किसान हितैषी बताते हुए कहा कि यह बजट प्रदेश के किसानों की आय बढ़ाने व उत्पाद बेचने, कृषि लागत कम



करने तथा आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बजट में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सहयोग से 2 हजार एकड़ के एक क्लस्टर में आधुनिकतम तकनीकों द्वारा स्मार्ट एग्रीकल्चर नाम से एक नई योजना द्वारा प्राकृतिक खेती शुरू करने का प्रस्ताव है।